

डॉ. जॉन ओसवाल्ट , निर्गमन, सत्र 12, निर्गमन 23-24

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं जो निर्गमन की पुस्तक पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह सत्र 12, निर्गमन 23-24 है।

प्रतीक्षा करते समय, आइए थोड़ा सा पुनरावलोकन करें। आइए पिछले सप्ताह हमने जो सामग्री कवर की थी, उसे देखें। कोई किस्मत? समझ गए? ठीक है। ठीक है। क्षमा करें? नहीं। वे वहाँ हैं। आप उन्हें बाहर जाते समय उठा सकते हैं। अच्छा। बहुत-बहुत धन्यवाद, बेन। हमने हिब्रू सेवकों के बारे में बात करना शुरू किया।

यह 21:1 से 11 तक था। फिर हमने व्यक्तिगत चोट के बारे में बात की। यह 21:12 से 27 तक है।

और फिर एक दिलचस्प छोटा सा अंतराल। लापरवाही के कारण किसी जानवर द्वारा चोट लगना। यह विशेष रूप से सींग मारने वाले बैल की बात है।

कुछ बाइबलों में शीर्षक होते हैं, जो इसे 21:28 से 32 तक रखते हैं। कुछ बाइबलों में शीर्षक होते हैं, जो इस भाग को 2 नंबर पर रखते हैं। अन्य बाइबलों में इसे 4 नंबर पर रखा जाता है, जो व्यक्तिगत संपत्ति है।

क्योंकि इससे जानवरों और दूसरे लोगों के जानवरों के बारे में बात शुरू होती है। अगर मेरा बैल तुम्हारे बैल को मारता है और इस तरह की बातें। तो वहाँ एक दिलचस्प तरह का संक्रमणकालीन खंड है।

यह 21, 33 से 22, 15 है। और फिर पाँचवाँ भाग सामाजिक जिम्मेदारी है। और यह आज रात के हमारे अध्याय, 22, 16 से 23, 9 तक विस्तृत है। और हम यहीं रुकेंगे क्योंकि हम बाद में अन्य सामग्री को कवर करेंगे।

तो, यह वाचा की शर्तों का खाका है। और हम आगे चलकर इसके महत्व के बारे में बात करेंगे। तो, 23:1 से 9. इन नियमों में खास तौर पर क्या समानता है? जाहिर है, जैसा कि हमने कहा, यह इस बड़े भाग में फिट बैठता है।

लेकिन ये कानून, 23:1 से 9, एक दूसरे से थोड़े ज़्यादा मिलते-जुलते हैं, सिर्फ़ उस सामान्य शीर्षक से ज़्यादा जो हमें यहाँ मिला है। खैर, इन कानूनों में क्या समानता है? न्याय, एक व्यक्ति का दूसरे व्यक्ति से रिश्ता, झूठी गवाही देना। क्या हम इससे ज़्यादा खास हो सकते हैं? वे चीज़ें जो उनमें समान हैं।

ये सब आज्ञाएँ हैं। ये न्याय के विकृतीकरण के बारे में हैं। झूठी खबरें मत फैलाओ।

दुर्भावनापूर्ण गवाह बनकर किसी दोषी व्यक्ति की मदद न करें। गलत काम करने में भीड़ का अनुसरण न करें। जब आप किसी मुकदमे में गवाही देते हैं, तो भीड़ का पक्ष लेकर न्याय को विकृत न करें।

किसी गरीब व्यक्ति के मुकदमे में पक्षपात न करें। अगर आपको अपने दुश्मन का बैल या गधा भटकता हुआ मिले, तो उसे वापस करना न भूलें। अब, यह न्याय की विकृति से थोड़ा आगे की बात है।

हम यहाँ किस बारे में बात कर रहे हैं? अपने दुश्मन के बारे में। अगर आपको अपने दुश्मन का बैल या गधा भटकता हुआ मिले, तो उसे वापस करना न भूलें। अगर आपको किसी ऐसे व्यक्ति का गधा दिखे जो आपसे नफरत करता है और उसके बोझ के नीचे गिरता हुआ दिखे, तो उसे वहीं मत छोड़िए।

सुनिश्चित करें कि आप उनकी इसमें मदद करें। इसलिए, हम वास्तव में न्याय के विकृतीकरण के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। हम आपके दुश्मन, किसी ऐसे व्यक्ति के साथ न्याय करने के बारे में बात कर रहे हैं जो आपसे नफरत करता है।

क्या हम सुनहरे नियम की शुरुआत नहीं देख रहे हैं? ज़रूर, हम देख रहे हैं। ज़रूर, हम देख रहे हैं। हाँ।

हाँ। अपने गरीब लोगों को उनके मुकदमों में न्याय से वंचित न करें। अब इसे श्लोक 3 के साथ जोड़ दें। श्लोक 3 कहता है कि आपको क्या नहीं करना चाहिए? गरीब व्यक्ति के साथ पक्षपात न करें।

पद 6: गरीब व्यक्ति को उसके हक का न्याय न दें। इसलिए, यह सख्त न्याय की बात कर रहा है। झूठे आरोप से कोई लेना-देना न रखें।

किसी भी निर्दोष या ईमानदार व्यक्ति को मौत की सज़ा मत दो। मैं दोषियों को बरी नहीं करूँगा। रिश्वत मत लो।

क्योंकि घूस देखनेवालों को भी अन्धा कर देती है, और निर्दोष की बातें भी पलट देती है। परदेशी पर अत्याचार न करो। तुम स्वयं जानते हो कि परदेशी होना कैसा होता है, क्योंकि तुम भी मिस्र में परदेशी थे।

तो, यहाँ से आगे बढ़ते हुए, हम वास्तव में 23.9 में उसी नोट पर निष्कर्ष निकालते हैं। अपने नौकरों पर अत्याचार न करें क्योंकि आप एक नौकर थे। विदेशी पर अत्याचार न करें क्योंकि आप एक विदेशी हैं। और फिर, यह सुनहरे नियम का एक हिस्सा है।

क्या आपको पता है कि आपके साथ क्या किया गया? क्या आप उन लोगों के साथ ऐसा नहीं करते जो इसके लायक नहीं हैं। और जब हम न्याय को विकृत न करने पर जोर देते हुए समापन की ओर बढ़ते हैं तो एक आंदोलन की भावना होती है। न्याय करो।

इसे विकृत मत करो। मैं भाग रहा हूँ। ठीक है, तो मैंने दो सप्ताह पहले कहा था, मुझे लगता है।

ये वे उदाहरण हैं जिनके लिए दस आज्ञाएँ सिद्धांत हैं। लेकिन ये कौन सी दस आज्ञाएँ हैं? सभी? बिलकुल सही। बिलकुल सही।

ये पिछले छह उदाहरण हैं। अपने पिता और माता का आदर करो। चोरी मत करो। झूठ मत बोलो। हत्या मत करो। व्यभिचार मत करो।

अपने पड़ोसी की संपत्ति का लालच मत करो। तो फिर, इस बात पर बहुत ज़ोर दिया गया है। आप यह प्रदर्शित कर रहे हैं कि आप यहोवा के साथ वाचा में हैं क्योंकि आप दूसरे लोगों के साथ जिस तरह से व्यवहार करते हैं।

वास्तविक अर्थ में, यीशु यही बात कहते हैं, लेकिन बहुत अधिक संक्षिप्त और सकारात्मक तरीके से। यूहन्ना 13:35. यदि आपस में प्रेम रखोगे तो इसी से सब जानेंगे, कि तुम मेरे चेले हो।

मैं हमेशा इससे प्रभावित होता हूँ। आप जानते हैं, इससे सभी लोग जान जाएँगे कि आप मेरे शिष्य हैं। आप हमेशा चर्च जाते हैं।

इससे सब लोग जान जायेंगे कि तुम मेरे चेले हो। तुम अन्य भाषाएँ बोलते हो। इससे सब लोग जान जायेंगे कि तुम मेरे चेले हो।

आप वाकई बहुत अनुशासित हैं। अब, इसका मतलब यह नहीं है कि हमारे पास शास्त्र में कहीं और इस तरह के व्यवहार के लिए आदेश नहीं हैं, लेकिन वह जो बात कह रहा है वह यह है कि जिस तरह से आप दूसरे लोगों के साथ व्यवहार करते हैं, वह इस बात का सबसे स्पष्ट सबूत होगा कि आप मेरे हैं। इस बारे में बात करना बहुत आसान है।

ऐसा करना इतना आसान नहीं है। और यही बात जॉन वेस्ले के कहने का मतलब है जब वे कहते हैं कि सामाजिक पवित्रता के अलावा कोई पवित्रता नहीं है। यह वह पवित्रता है जो सामाजिक संपर्क में जी जाती है।

यह बहुत महत्वपूर्ण है कि इनमें से कई उदाहरण वाचा की जिम्मेदारी के उस पक्ष के लिए दिए गए हैं। और मैं फिर से वही कहता हूँ जो मैंने पहले भी कई बार कहा है और फिर से कई बार कहूँगा। ऐसा नहीं है कि परमेश्वर कहता है, अब देखो, मैं राजा हूँ, तुम दास हो, और मैं कहता हूँ कि यह करो।

नहीं, यह वाचा के संदर्भ में है। तुम मेरे साथ वाचा में हो। मैं तुम्हारे साथ वाचा में हूँ।

आप मेरे साथ अपने रिश्ते को कैसे प्रदर्शित करते हैं? आप इसे अब तक दूसरों के साथ संबंधों में प्रदर्शित करते हैं। ठीक है, 23:1-9 पर कुछ और है? ठीक है, चलिए 23:10-19 पर चलते हैं। ये किस बारे में हैं? सब्त के दिन तीन मुख्य पर्व मनाना। ठीक है, अब ये उपासना के बारे में हैं।

ये इस बारे में हैं; अगर यह दूसरों के साथ संबंध के बारे में है, तो यह अब परमेश्वर के साथ संबंध के बारे में है। आइए श्लोक 10-12 को देखकर शुरू करें। छह साल तक, आपको अपने खेतों में बीज बोना है और फसल काटनी है।

सातवें वर्ष में भूमि को बिना जोते और उपयोग में न आने दो। तब तुम्हारे लोगों में से गरीब लोग उससे भोजन प्राप्त कर सकेंगे। जो बचेगा उसे जंगली जानवर खा सकेंगे।

अपनी दाख की बारी और जैतून के बाग के साथ भी ऐसा ही करो। छः दिन अपना काम करो, लेकिन सातवें दिन काम मत करो, ताकि तुम्हारे बैल और गधे आराम करें ताकि तुम्हारे घर में पैदा हुआ दास और तुम्हारे बीच रहने वाला परदेशी तरोताजा हो जाए। इस अंश के अनुसार हम विश्राम वर्ष और सब्त क्यों मनाते हैं? हाँ, लेकिन विशेष रूप से कौन? भूमि और फसल।

हाँ, हाँ। यह दिलचस्प है, सब्त के बारे में बार-बार और बार-बार पेंटाट्यूक, निर्गमन, लैव्यव्यवस्था, संख्या, व्यवस्थाविवरण में बात की गई है। और सब्त के लिए दिए गए विभिन्न औचित्य को देखना दिलचस्प है।

लेकिन यहाँ, विशेष रूप से, इस अर्थ में हम यहाँ भी एक संबंध प्राप्त कर रहे हैं। परमेश्वर की हमारी आराधना का दूसरों पर प्रभाव पड़ता है। चूँकि हम विश्राम वर्ष में उसकी आराधना करते हैं, इसलिए गरीबों को इससे भोजन मिल सकता है।

क्योंकि हम सब्त के दिन प्रभु की आराधना करते हैं, बैल और गधे को आराम मिलता है। यह हमारे आराम के बारे में कुछ नहीं कहता। यह कहता है कि जानवरों को आराम करने का मौका मिलता है ताकि आपके घर में पैदा हुए दास और आपके बीच रहने वाले विदेशी को तरोताजा किया जा सके।

तो यहाँ भी, सामाजिक जिम्मेदारी का तत्व है, दोनों के बीच संबंध है। मैं अपने लिए भगवान की पूजा नहीं करता। मैं अपने अकेलेपन में भगवान की पूजा नहीं करता।

मैं दूसरों पर पड़ने वाले प्रभाव के कारण परमेश्वर की आराधना करता हूँ। और इसीलिए यशायाह 58 में, यशायाह उन्हें उनके उपवास के लिए फटकार लगाता है क्योंकि उनका उपवास उनके अपने लिए है।

और जब वे उपवास कर रहे होते हैं, क्योंकि वे उपवास कर रहे होते हैं, वे भूखे होते हैं, और वे बहुत चिड़चिड़े होते हैं, और वे अपने नौकरों को पीटते हैं। और यशायाह कहता है कि अगर तुम कुछ करना बंद करना चाहते हो, तो अपने नौकरों को पीटना बंद करो, और खाओ। तो फिर, क्या यह पूजा मेरे लिए है, या वास्तव में, कम से कम मेरे आस-पास के अन्य लोगों के लिए इसका कोई अवशिष्ट लाभ है? इसलिए, मुझे लगता है कि जिस तरह से इसे यहाँ प्रस्तुत किया गया है, वह काफी महत्वपूर्ण है।

अब, फिर, श्लोक 13 को देखें। 10 से 12 में सब्ब की आज्ञाओं और 14 से 19 में त्योहारों के बीच यह क्या कर रहा है? वहाँ क्या हो रहा है? यह श्लोक यहाँ क्यों अटका हुआ है? मैंने जो कुछ भी तुमसे कहा है, उसे करने में सावधान रहो। दूसरे देवताओं का नाम मत लो।

उन्हें अपने होठों पर मत आने दो। वह यहाँ क्या कर रहा है? ठीक है। ठीक है, मुझे लगता है कि यह बिल्कुल सही है।

एक अर्थ में यह सकारात्मक का नकारात्मक रूप है। इन तरीकों से मेरी पूजा करो। सब्बाथ त्योहारों में चूक न करें, और अन्य देवताओं की पूजा उनके अपने तरीके से करें।

इसलिए, मैं लगातार इसे खींचने की कोशिश कर रहा हूँ। अरे, पूजा तो पूजा ही है, है न? स्वर्ग जाने के हज़ार रास्ते हैं। एक भगवान दूसरे जितना ही अच्छा है।

नहीं। इस वाचा में नहीं। इस वाचा में नहीं।

तुम्हें किसी अन्य देवता की पूजा नहीं करनी चाहिए। जैसा कि मैंने कहा था जब हम दस आज्ञाओं के बारे में बात कर रहे थे, यह एक शिक्षण उपकरण है। कोई अन्य देवता नहीं है।

अगर आप गलती से एक की पूजा करने लगें और एक की पूजा करें तो आप पूरी बात भूल जाएंगे और भूल जाएंगे कि ईश्वर केवल एक ही है। इसलिए उस दिशा में आगे बढ़ना महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि एक और तत्व है जो महत्वपूर्ण है जिसके बारे में हम अब इन अगले लोगों के साथ बात करेंगे।

14 से 19 तक। साल में तीन बार। मुझे लगता है कि हमने इस बारे में पहले भी बात की है, लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा है, दोहराव शिक्षा की आत्मा है।

आप समझ गए होंगे। दोहराव शिक्षा की आत्मा है। अगर आपने मेरी बात नहीं सुनी, तो बता दूँ कि दोहराव शिक्षा की आत्मा है।

इन तीनों में से पहला फसल है। इन तीनों में से दूसरा पिनतेकुस्त है। और इन तीनों में से तीसरे को बाद में तम्बू कहा जाएगा।

यहाँ इसे इन-गैदरिंग का पर्व कहा जाता है। अब हम जानते हैं कि ये दोनों घटनाएँ बुतपरस्त त्योहारों के साथ ही होती हैं। और लगभग निश्चित रूप से, यह जानबूझकर किया गया है।

यह 1 अप्रैल के आसपास होता है। जैसा कि मैंने आपको पहले बताया था, हिब्रू कैलेंडर एक चंद्र कैलेंडर था। इसलिए, यह सौर मंडल के संदर्भ में आगे बढ़ता था।

और हर तीन साल में, औसतन, उन्हें एक महीना जोड़ना पड़ता था। 19 साल में तीन बार ऐसा हुआ ताकि यह काम हो सके। इसलिए ये त्योहार आगे बढ़ते हैं।

और यही कारण है कि ईस्टर आगे बढ़ता है। तो यह फसल की शुरुआत है। फसल वर्ष के संदर्भ में, यह नया साल है।

प्राचीन पूर्वी कैलेंडर में दो नए साल होते हैं। यह एक और फिर दूसरा। यह जौ की फसल शुरू होने से पहले होता है।

यह घटना लगभग 50 दिन बाद, और फिर से, गोल आंकड़ों के अनुसार, 1 जून को होती है। और मुझे पता है कि यह 60 दिन है। यह जौ की फसल और गेहूँ की फसल के बीच होती है।

जौ की फसल खत्म हो चुकी है। गेहूँ की फसल शुरू हो चुकी है। फिर आपके पास कई अन्य फसलें हैं जो साल भर में इकट्ठी की जाती हैं।

शुरुआती अंजीर यहाँ हैं। बाद में, आपके पास अंजीर की दूसरी फसल है। अंततः, आपके पास जैतून और अंत में अंगूर हैं।

यह त्यौहार लगभग 1 अक्टूबर को मनाया जाता है। और यह दूसरा नया साल है, फसल की कटाई का अंत। अब आप हल चलाने और रोपण करने के लिए तैयार हो रहे हैं, और इसी तरह।

यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस संस्कृति का हिस्सा थे और आपने कौन सा नया साल मनाया। जैसा कि मैंने कहा, यह जैतून और अंगूर है। इसमें, मूर्तिपूजक अराजकता राक्षस पर देवताओं की जीत का पूर्वाभ्यास कर रहे हैं।

उन्होंने उसे हरा दिया है और उसके शरीर को धरती और शायद स्वर्ग बना दिया है। और यह हर समय हो रहा है, बेशक। और मिथक बताकर, आप उसमें शामिल हो जाते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि इस साल फिर से अराजकता का बोलबाला न हो।

इब्रानी लोग, बेशक, मेमने के खून की वजह से मौत के दूत पर परमेश्वर की जीत का जश्न मना रहे हैं। बुतपरस्त लोग एक पौराणिक घटना का जश्न मना रहे हैं। इब्रानी लोग एक ऐतिहासिक घटना का जश्न मना रहे हैं।

भगवान ने हमेशा के लिए समय और स्थान में संध लगाई है। और हम फिर से वही नहीं कर रहे हैं, बल्कि याद कर रहे हैं। अब, मसीह के समय में बहुत से लोग, दुनिया भर के यहूदी, यरूशलेम की यात्रा के लिए पैसे बचाकर रखते थे।

वे अक्सर इन दोनों को मिला देते थे, जिससे कि लगभग 1 अप्रैल से 1 जून के बीच की अवधि में यरूशलेम शहर खचाखच भरा रहता था - जो कि इसकी सामान्य जनसंख्या से दस गुना अधिक होता था।

जब आप इस तरह की भीड़ को इकट्ठा करते हैं, तो दंगे की संभावना होती है। और यह बहुत आम बात थी, कि इस समय दंगे होते थे। इसलिए पिलातुस कैसरिया के बजाय यरूशलेम में था, जो उसकी राजधानी थी।

वह आमतौर पर यरूशलेम को नहीं छूता था - पागल यहूदियों का एक समूह। उन्हें भूल जाओ।

मैं समुद्र तट पर रोमन शहर कैसरिया में रहूँगा। यह यरूशलेम से कहीं ज़्यादा आरामदायक है। लेकिन वह यहाँ इसलिए है क्योंकि उसे मौके पर रहना है।

अगला दंगा भड़क गया। और, ज़ाहिर है, यही हुआ। आपने दंगा करवाया और नाज़रेथ के इस आदमी को सूली पर चढ़ा दिया।

लेकिन अक्सर ऐसा ही होता है। जहाँ आपके पास अपने जीवनकाल में एक बार यरूशलेम जाने के लिए पर्याप्त धन होता है, और यह वही है। व्यवस्थाविवरण में तम्बू, स्पष्टीकरण, ठीक है, मुझे वापस आकर कहना चाहिए, इस बिंदु पर मूर्तिपूजक यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि वनस्पति के मरते हुए देवता का अंतिम संस्कार वास्तव में बहुत अच्छा हो।

तो, वह अगले वसंत में वापस आ जाएगा और किसी भी तरह की नाराज़गी में नहीं पड़ेगा और अंडरवर्ल्ड में ही रहेगा। तो, आप यह सुनिश्चित करने के लिए सभी ज़रूरी काम करते हैं कि वनस्पति के देवता को पता चले कि आपको वाकई बहुत दुख है कि वह जा रहा है। तो, आप रोते हैं, खुद को काटते हैं, आप शोक की सभी रस्मों से गुजरते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह समझ जाए।

इसके साथ ही, आप फसल के अंत और नई शराब का जश्न भी मना रहे हैं। और इसलिए, यह यूनानियों के बीच बैकस का त्यौहार भी है। बेशक, बैकस शराब का देवता है।

तो, आप न केवल मृत देवता के लिए रो रहे हैं, बल्कि आप यह सुनिश्चित करने के लिए यौन संभोग में भी शामिल हो रहे हैं कि आने वाले वर्ष के लिए नया जीवन हो। हिब्रू लोगों को इस सप्ताह अपने खेतों में झोपड़ियों में रहना चाहिए, यह याद करते हुए कि उनके माता-पिता ने अपने पापों के कारण 40 साल झोपड़ियों में बिताए थे। यह सब प्रायश्चित के दिन के साथ समाप्त होता है, जब हिब्रू लोग, अपने बुतपरस्त पड़ोसियों की तरह, रो रहे होते हैं।

लेकिन वे किसी मृत वनस्पति देवता के लिए नहीं रो रहे हैं। वे पिछले साल अनजाने में किए गए पापों के लिए रो रहे हैं। इसलिए, ये त्यौहार, निश्चित रूप से, ये दोनों, शायद यह भी, जानबूझकर बुतपरस्त त्यौहारों के ठीक विपरीत निर्धारित किए गए हैं।

तो, जब लोग कहते हैं, अच्छा, ईस्टर, हे भगवान, हम ईस्टर क्यों मनाते हैं? खैर, यह रोमनों और उनके नए साल के त्यौहार की वजह से है। हाँ। हम क्रिसमस क्यों मनाते हैं? यीशु का जन्म शायद 25 दिसंबर को नहीं हुआ था।

यही वह समय था जब रोमन लोग अपना सैटर्नेलिया, मध्य-शीतकालीन त्यौहार मनाते थे। हाँ। तो एक अच्छा कारण है कि ईसाई त्यौहारों को उसी समय मनाया जाना चाहिए, जिस समय ऐसा किया गया था, ताकि बुतपरस्तों द्वारा किए जा रहे इस भव्य, रोमांचक काम के सामने कुछ खड़ा हो सके।

सामने खड़े होकर कहना कि नहीं, नहीं, हम ब्रह्मांड को अपने हिसाब से चलाने के लिए उसमें हेरफेर नहीं कर रहे हैं। हम याद कर रहे हैं कि भगवान ने हमारे लिए क्या किया है और हमें उनके जवाब में क्या करना चाहिए था। इसलिए, ये तीन त्यौहार इसी खास वजह से हैं।

हाँ। यह विषय से हटकर हो सकता है और किसी अन्य अध्ययन या किसी अन्य चीज़ की ओर ले जा सकता है, लेकिन मैं बस पूछना चाहता हूँ, इसका पालन करना उचित नहीं हो सकता है, लेकिन मेरी बाइबल यहाँ एक नोट देती है कि केवल पुरुषों को ही इसमें भाग लेने की अनुमति थी। हाँ, हाँ।

फिर से, मंदिर, वह तम्बू जिसके बारे में हम अगले सप्ताह बात करने जा रहे हैं, लेकिन मंदिर का निर्माण किया गया था। यह गैर-यहूदियों का प्रांगण था। गैर-यहूदी वहाँ जा सकते थे, और यहाँ चारों ओर एक दीवार थी जिस पर शिलालेख था। कोई भी गैर-यहूदी जो यहाँ से गुजरता है, वह अपनी मृत्यु के लिए खुद जिम्मेदार है।

फिर आपके पास महिलाओं का न्यायालय है। इसलिए यहूदी महिलाओं को वहाँ जाने की अनुमति थी जहाँ गैर-यहूदियों को नहीं जाने दिया जाता था। फिर आपके पास पुरुषों का न्यायालय है, जहाँ केवल यहूदी पुरुषों को ही जाने की अनुमति थी और पुजारियों का न्यायालय।

इसलिए, महिलाओं को सामान्य समारोहों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। और इसीलिए मरियम यूसुफ के साथ फसह के लिए आई थी, इस तरह की चीजें। लेकिन जहाँ तक अनुष्ठान के कुछ पहलू में वास्तव में भाग लेने की बात है, तो आप सही हैं; यह पुरुष थे।

मैं जो सोच रहा हूँ, इस निर्गमन में, परमेश्वर अपने लोगों को ढाल रहा है, लेकिन यहाँ एक बहुत ही स्पष्ट अंतर स्थापित किया गया है जो पुरुषों और महिलाओं को महत्व देने में प्रतीत होता है। यहाँ परमेश्वर की बुद्धि क्या है? क्योंकि यह पूरी तरह से चलता है और वास्तव में मसीह तक काम नहीं करता है। हाँ, और कुछ लोग कहेंगे कि यह तब काम नहीं किया गया था।

खैर, फिर से, आप संस्कृति के साथ व्यवहार कर रहे हैं जैसा कि वह थी। यह दिलचस्प है कि पॉल ने कहा कि एक महिला को अपने बाल खुले नहीं रखने चाहिए। क्यों नहीं? खैर, क्योंकि रोमन संस्कृति में, केवल वेश्याएँ ही खुले बाल रखती थीं।

इसलिए हम गलत संदेश नहीं भेजना चाहते। हम ऐसा अपमान नहीं करना चाहते जो समझ के रास्ते में बाधा बने। इसलिए, उसी तरह, बुतपरस्त धर्म में भी महिलाओं को इस तरह के तरीकों से शामिल नहीं किया जाता।

अब, आपके पास पुजारिनें हैं जो इसमें शामिल थीं, लेकिन आम महिलाएँ नहीं। इसलिए, यह वास्तव में किसी विशिष्ट कथन के बजाय समय का हिस्सा है। कई मायनों में, और मुझे लगता है कि वास्तव में यहाँ सिद्धांत, न केवल इस उदाहरण में, बल्कि कई अन्य मामलों में, अंत में किसी निरपेक्ष मानक से तुलना करने में नहीं है, बल्कि यह कहना है कि वे अपने आस-पास की हर चीज़

के संबंध में कहाँ खड़ी थीं? इस संबंध में, कई मायनों में, महिलाओं को दी जाने वाली स्वतंत्रता और अधिकारों के मामले में पुराना नियम आगे है।

इसलिए अगर कोई पुरुष किसी महिला को गरीबी से मुक्ति दिलाने के लिए उसके अधिकार देने से इनकार करता है, तो वह उसके मुंह पर थूक सकती है। ऐसी परिस्थितियों में उसके पास यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण अधिकार है। इसलिए, इस अर्थ में, यह वास्तव में तुलनात्मक है, लेकिन आप सही हैं।

खेल के इस चरण में, महिलाओं को निश्चित रूप से समानता का कोई भी स्तर नहीं दिया जाता है। खैर, इसका मतलब है कि अब से इस समुदाय में, यह आदमी वह आदमी होगा जिसके चेहरे पर थूका गया। अपने शेष जीवन के लिए, वह एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जाना जाएगा जिसने एक महिला को उसके अधिकार देने से इनकार कर दिया।

डॉक्टर. इसमें एक कार्यात्मक अंतर है. तलाक की तुलना में.

ओह, ओह, ओह। वैसे, मैंने ऐसा नहीं सुना है। मुझे ठीक से नहीं पता कि यह कहाँ से आया होगा।

लेकिन हाँ, उसके पास ये अधिकार हैं। उसे मुक्ति पाने का अधिकार है। उसे अपने पति, जो मर चुका है, से बच्चे पैदा करने का अधिकार है।

उसे अपने देवर पर अधिकार है। मुझे हमेशा यह कोई बहुत बड़ा अधिकार नहीं लगता, लेकिन फिर भी। उसे अपने पति के लिए बच्चे पैदा करने का अधिकार है और यह अधिकार उससे नहीं छीना जा सकता।

ठीक है, चलिए यहाँ आगे बढ़ते हैं। तो, आपने श्लोक 15 पर ध्यान दिया। इसे अवीव महीने में नियत समय पर करें।

क्योंकि उसी महीने में तुम मिस्र से निकल आए थे। फिर 18 और 19 में तुम्हारे लिए दो खास बातें हैं: खून को खमीर वाली किसी चीज़ के साथ न चढ़ाना।

और जैसा कि हमने पहले भी कहा है, खमीर पाप का प्रतीक है। इसमें क्षय करने और क्षय को बढ़ावा देने की क्षमता है। वसा को सुबह तक नहीं रखना चाहिए।

यह बात मुझे हमेशा आकर्षित करती है क्योंकि कई संस्कृतियों में, चर्बी को एक स्वादिष्ट व्यंजन माना जाता है। और इस्राएलियों को चर्बी खाने की अनुमति नहीं है। इसे वेदी पर जलाना पड़ता है।

चर्बी भगवान की है। और फिर, मुझे लगता है कि यह जानवर का सबसे कीमती हिस्सा है। मैं रोमानिया में हुए अनुभव को कभी नहीं भूलूंगा।

जब मैं शाम को एक गांव में चर्च में प्रचार कर रहा था, तो मैं उस घर में गया जहाँ मैं रहता था। और घर की महिला रोमानियाई पोशाक में दरवाजे पर मुझसे मिली।

एक सुंदर कढ़ाईदार बनियान, स्कर्ट और हेडड्रेस। और उसके हाथ में एक थाली थी। और थाली पर सफ़ेद चीज़ों के लगभग सही क्यूब्स रखे हुए थे।

और मैंने सोचा, अरे, अरे, यह तो अच्छा नहीं है। वह मुझे कैंडी लेकर आई है। तो मैंने एक टुकड़ा ले लिया।

ठंडा, शुद्ध वसा। लार्ड। आपको पसंद है? आपको पसंद है?

एक और, एक और। और वह मुझे सबसे अच्छा दे रही थी। तो यह रहा।

आप वसा को छोड़ते नहीं हैं। आप उसे जलाते हैं। हाँ।

दक्षिणी संस्कृतियों में, आप उनसे मिलने जाते थे, और वे चर्बी के टुकड़े काटकर उन्हें चारों ओर बाँट देते थे। और हर कोई उस चर्बी को चबाता था। इसे एक स्वादिष्ट व्यंजन माना जाता था।

हाँ, लार्ड भी है। हर किसी का अपना-अपना स्वाद होता है।

लेकिन चर्बी भगवान की है। चर्बी का हर हिस्सा उसका है। इस आखिरी बात पर बहुत चर्चा हुई है।

बकरी के बच्चे को उसकी माँ के दूध में मत पकाओ। इसे बार-बार, तीन अलग-अलग बार, पूजा के निर्देशों से जोड़ा गया है। और, और इस बात की कुछ संभावना है कि यह कुछ ऐसा था जो बुतपरस्त पूजा की विशेषता थी।

और शायद यही अब भी सबसे अच्छा अनुमान है कि यहाँ क्या हो रहा है। कि बुतपरस्त लोग ऐसा करते हैं। आप ऐसा मत करो।

ठीक है। अब तो। यदि आयत 21, 1 से 23, 19 वाचा में लोगों के लिए शर्तें हैं।

23:20 से 33 तक क्या हैं? हाँ। इस वाचा में, मैं चाहता हूँ कि तुम यह और यह और यह करो। और बदले में, मैं यह और यह और यह करूँगा।

इन शर्तों में भगवान ने क्या करने की शपथ ली है? ठीक है। मित्रो। हम्म-हम्म।

हम्म-हम्म। और क्या? सुरक्षा। हम्म-हम्म।

और क्या? मैं सुरक्षा के बारे में सोच रहा हूँ। वह क्या करने का वादा करता है? बिलकुल सही। वह उन्हें ज़मीन पर ले जाने का वादा करता है।

तुम अपनी वाचा का पालन करो और मैं अपनी वाचा का पालन करूंगा। मैं तुम्हें अपने साथ संगति दूंगा। मैं तुम्हें तुम्हारे शत्रुओं से सुरक्षा दूंगा, और मैं तुम्हें देश में ले जाऊंगा।

अब, आपको क्या लगता है, वे खास चीजें क्यों? यही उसकी बड़ी चिंता थी। वह उन्हें अपने पास रखना चाहता है। यह सही है।

यह सही है। और वह वादा करता है कि वह उन्हें रखेगा। वह उन्हें रखेगा।

अगर वे खुद को मूर्तिपूजा से दूर रखेंगे, तो वह उन्हें उन राष्ट्रों और शैतानी ताकतों से बचाएगा जो रास्ते में आ सकती हैं। हालाँकि, यहाँ तक पहुँचने के दौरान वह कुछ माँगें करता रहता है। 21.

उसके खिलाफ़ विद्रोह मत करो। वह तुम्हारे विद्रोह को माफ़ नहीं करेगा। और हर जगह, हमारे पास प्रभु और प्रभु का दूत है।

और हमने पहले भी इस बारे में बात की है कि वहाँ क्या चल रहा है। और यह भी हो सकता है कि प्रभु का दूत ईश्वर की आत्मा जैसा कुछ हो, इस अर्थ में कि यह इस दुनिया में ईश्वर का प्रतिनिधित्व है। हमें वास्तव में इस बात की बहुत कम समझ है कि त्रिदेव एक साथ कैसे काम करते हैं और एक साथ कैसे काम करते हैं।

लेकिन इस पर मेरा सबसे अच्छा विचार यह होगा कि प्रभु का दूत प्रभु की आत्मा के बराबर है। फिर से, श्लोक 21 पर वापस जाँ। उसके खिलाफ़ विद्रोह न करें।

वह आपके विद्रोह को माफ़ नहीं करेगा। विद्रोह, निश्चित रूप से, जानबूझकर किए गए पाप को दर्शाता है। और यह विचार है कि मैं वही करने जा रहा हूँ जो मैं चाहता हूँ।

और जब मैं यह सब कर लूँगा, तो मैं ईश्वर से माफ़ी माँगूँगा। और मूसा कहता है और उसके बाद जोशुआ कहता है, इस पर भरोसा मत करो। ईश्वर से माफ़ी की उम्मीद करते हुए बिना किसी दंड के पाप मत करो।

वह ऐसा नहीं करेगा। अब, श्लोक 29 पर ध्यान दें। वह कहता है कि मैं हिठ्ठियों, कनानी लोगों और हित्तियों को बाहर निकालने जा रहा हूँ।

मैं उन्हें एक साल में नहीं निकालूँगा क्योंकि इससे ज़मीन उजाड़ हो जाएगी और जंगली जानवर बहुत ज़्यादा हो जाएंगे। धीरे-धीरे, मैं उन्हें तुम्हारे सामने से निकाल दूँगा जब तक कि तुम ज़मीन पर कब्ज़ा करने के लिए पर्याप्त संख्या में न बढ़ जाओ। जब हम विजय को देखते हैं, तो हम देखते हैं कि इसमें तीन या चार कारक शामिल हैं।

हमारे पास द्वितीय विश्व युद्ध की तरह की विजय नहीं है, जहाँ एक कब्ज़ा करने वाली सेना भूमि पर आगे बढ़ती है, और सामने दुश्मन होता है, और पीछे कब्ज़ा किया हुआ क्षेत्र होता है। भूमि पर विजय प्राप्त करने में जो कुछ भी होता है वह गुरिल्ला ऑपरेशन की तरह होता है। और यह उसी को दर्शाता है।

यह सिर्फ़ व्यापक अधिग्रहण नहीं होगा। इसमें प्रमुख शहरों पर कब्ज़ा करना, चौराहों पर कब्ज़ा करना, संचार मार्गों पर कब्ज़ा करना, इस तरह की चीज़ें शामिल होंगी। और यह समय की बात होगी।

आज के पुरातत्वविद, संशयी पुरातत्वविद अक्सर कहते हैं, ठीक है, विजय के लिए कोई सबूत नहीं है। गुरिल्ला अधिग्रहण हमारे लिए किस तरह का सबूत छोड़ता है? बहुत ज़्यादा नहीं, बहुत ज़्यादा नहीं। और यही वह बात है जिसका यहाँ निहितार्थ है।

यह एक प्रक्रिया होगी। यह धीरे-धीरे होगा। यह कोई धमाकेदार काम नहीं होगा।

यह एक प्रक्रिया होगी। अब, ज़ाहिर है, आयत 31 अरब लोगों को नाराज़ करती है - आपकी सीमाएँ लाल सागर से भूमध्य सागर तक, रेगिस्तान से फ़रात नदी तक।

अब, यह एक तरह की विकर्ण चीज़ है, इसलिए लाल सागर से लेकर भूमध्य सागर तक और रेगिस्तान से लेकर फ़रात नदी तक और यह सब। और, ज़ाहिर है, आज सीरिया यहाँ स्थित है।

और वे इसे पढ़ते हैं और कहते हैं, हम जानते हैं कि यहूदी क्या चाहते हैं। और इजरायली कह सकते हैं, नहीं, नहीं, हमें जो मिला है, हम उससे संतुष्ट हैं। और अरब कहते हैं, हम आपकी बाइबिल पढ़ सकते हैं।

तो, मुझे लगता है कि हम यहाँ सुलैमानी साम्राज्य के बारे में बात कर रहे हैं और ज़रूरी नहीं कि यह कोई शाश्वत चीज़ हो। यह हमेशा के लिए दिया गया है। लेकिन फिर भी, इस तरह की चीज़ें पीड़ा का कारण बनती हैं।

ध्यान दें कि यह कहाँ समाप्त होता है। श्लोक 32 और 33. ठीक वहीं जहाँ यह अध्याय 20 के अंत में शुरू हुआ था।

अब, फिर से, हम कहते हैं, ठीक है, वह इस बारे में पागल हो गया है। और जवाब हाँ है। ये लोग बुतपरस्तों से घिरे हुए हैं।

पूरी दुनिया मानती है कि यह दुनिया भगवान है और कुछ नहीं है। और भगवान कह रहे हैं कि यह ग़लत है। यह ऊपर से नीचे तक ग़लत है।

यह बुतपरस्त विचार है। यह दुनिया, मानव, प्रकृति और ईश्वर, सभी एक साथ मिश्रित हैं। यह मनोवैज्ञानिक, भौतिक ब्रह्मांड ईश्वर है।

वह ईश्वर है। वह ईश्वर है। और यह ईश्वर है।

यही वह दुनिया है जिसमें वे रहते हैं। और भगवान कह रहे हैं कि यह ग़लत है। यह सही नहीं है।

ईश्वर यह संसार नहीं है। ईश्वर, अगर आप कहें तो, इस संसार को अपने में समाहित करता है। और हमारे और उसके बीच एक कठोर सीमा रेखा है।

अगर हम खुद को भगवान बनाने की कोशिश करेंगे, तो यह हर बार विफल होगा। और इसी तरह, मानवता और प्रकृति के बीच एक कठोर सीमा है। गाय के साथ सेक्स न करें।

वह आपके जैसी नहीं है। यह दृष्टिकोण कहता है, हाँ, आपको संभवतः अनुष्ठानिक संपर्क में रहना चाहिए। बस यह स्पष्ट करने के लिए, आपके और प्रकृति के बीच कोई सीमा नहीं है।

बिल्कुल। हाँ। और पुरुष और पुरुष के बीच कोई सीमा नहीं है।

पिता और बेटी के बीच कोई सीमा नहीं होती। शादी में कोई सीमा नहीं होती। कोई सीमा नहीं होती।

अगर आप सीमाएं तय करते हैं, तो यह काम नहीं करेगा। ऐसा होता हुआ देखने के लिए आपको हमारे समाज में बहुत दूर तक देखने की जरूरत नहीं है। कोई सीमाएं नहीं हैं।

मैं जो चाहूँ कर सकता हूँ। मैं नियंत्रण में हूँ। और जब तक मैं अपनी शक्ति का प्रयोग नहीं करूँगा, तब तक लोग मुझ पर हावी होते रहेंगे।

इसलिए, भगवान बार-बार कह रहे हैं, इससे खिलवाड़ मत करो। इससे कोई लेना-देना मत रखो। यह गलत है।

क्योंकि वह वास्तविकता की एक बिल्कुल नई समझ पेश कर रहा है। बेशक, कई भगवान हैं। दुनिया को देखो।

नहीं, ईश्वर एक है। ईश्वर ही संसार है। नहीं, ईश्वर ही संसार नहीं है।

आप उसे इस दुनिया की किसी भी चीज़ की छवि में नहीं बना सकते, वगैरह। ठीक है। अध्याय 24।

सात मिनट। ठीक है। अब हम वाचा की मुहरबंदी पर आते हैं।

और हमारे पास कई रोचक बातें हैं जो घटित होती हैं। सबसे पहले, हमारे पास श्लोक 1 और 2 में एक पूर्वकथा है। प्रभु ने मूसा से कहा, तू और हारून, नैट, इवान, तेरे साथ इस्राएल के 70 पुरनिये, प्रभु के पास ऊपर आ।

तुम्हें दूर से ही पूजा करनी है। मूसा को ही प्रभु के पास जाना है। बाकी लोगों को आना चाहिए, पास नहीं आना चाहिए और लोगों को उसके साथ नहीं आना चाहिए।

यही बात बाद में भी होती है। यही बात श्लोक 12 और उसके बाद की आयतों में भी होती है। और विद्वान इस बात पर चर्चा करते हैं कि इसे इन दो आयतों में क्यों पेश किया गया है।

और इस उत्तर पर वास्तव में कोई सहमति नहीं है। मैं सुझाव दूंगा कि यह बस, जैसा कि मैंने कहा, एक प्रीक्ल है। हम यहीं जा रहे हैं।

हम लोगों के प्रतिनिधियों के रूप में परमेश्वर के साथ आमने-सामने के संपर्क की ओर जा रहे हैं। ठीक है। तो, नंबर एक, मूसा वाचा को पढ़ता है।

और उसे सहमति मिल जाती है। हाँ, हम ऐसा करने जा रहे हैं। फिर, वह 12 खंभे खड़े कर देता है।

फिर उसने 12 बैलों की बलि दी। फिर उसने उस पुस्तक से वाचा पढ़ी जिसमें उसने इसे लिखा था। और फिर से, लोग सहमत हो गए।

फिर, ओह, माफ़ करना, मैंने एक छोड़ दिया, माफ़ करना। अगर आप लिख रहे हैं, तो आपको अपना इरेज़र इस्तेमाल करना होगा। उसने आधा खून वेदी पर छिड़क दिया।

उसने वाचा पढ़ी और लोगों ने सहमति जताई। और उसने बाकी आधा हिस्सा लोगों पर छिड़क दिया। अब, यहाँ क्या हो रहा है? वह वाचा को सील करने के पैटर्न का अनुसरण कर रहा है जो कि, फिर से, पूरे प्राचीन विश्व में जाना जाता था।

प्रारंभिक सहमति। यदि आप इस पर सहमत नहीं हैं, तो हम इस पर आगे चर्चा नहीं करेंगे। तो, यहाँ प्रारंभिक सहमति है।

हाँ, हाँ, हम ऐसा करेंगे। बुतपरस्त वाचाओं, राजनीतिक संधियों में, यह वह जगह है जहाँ आपने देवताओं को गवाह के रूप में उद्धृत किया है। खैर, अगर केवल एक ही ईश्वर है तो आप ऐसा नहीं कर सकते।

तो, आपके पास क्या है? आपके पास ऐतिहासिक चिह्न हैं। यहाँ हम नेवर नेवर लैंड में पौराणिक महत्व वाली किसी चीज़ के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। हम एक जगह, एक समय में की गई किसी चीज़ के बारे में बात कर रहे हैं, जिसका पूरे समय में महत्व है।

तो, ये रहे, 12 स्तंभ जो इस बात की गवाही देते हैं कि हाँ, यहाँ कुछ हुआ था। मुझे लगता है कि पिताजी गर्मी की छुट्टियों के लिए परिवार के गधे पर सामान लाद रहे हैं। और छोटी एबी कहती है, अरे, पिताजी, हम कहाँ जा रहे हैं? हम यरूशलेम के ऊपर छह इंच देखने जा रहे हैं? नहीं, नहीं, बेटा, मेरे मन में कुछ और है।

पापा, हम उन ऐतिहासिक छुट्टियों में से एक और नहीं मना रहे हैं, है न? हाँ, बेटा, मैं तुम्हें कुछ दिखाना चाहता हूँ। कहाँ, पापा? जॉर्डन घाटी में? जहाँ सारे अनार और संतरे के पेड़ हैं? नहीं, असल में, यह सिनाई रेगिस्तान में है। सिनाई रेगिस्तान? हाँ, मैं चाहता हूँ कि तुम 12 पत्थर देखो।

हम कौन हैं? हम वे लोग हैं जिनके साथ सर्वशक्तिमान ईश्वर ने एक बार और हमेशा के लिए वाचा बाँधी और हमें हमेशा के लिए एक अलग लोग बना दिया। तुम्हें यह देखना होगा, बेटा। तो, ये गवाह हैं।

12 बैलों में बहुत सारा खून है। आधा खून वेदी पर जाता है। क्या हो रहा है? जैसा कि हमने उत्पत्ति के बारे में बात करते समय कहा था।

एक वाचा के दो पक्ष, आपने बलि के जानवर को दो हिस्सों में बाँट दिया। जानवरों को वाचा समारोहों से नफरत थी। और आप खून बहने वाले आधे हिस्सों को नीचे रख देते हैं।

और वाचा के दोनों पक्ष आपस में हाथ मिलाते हैं और कहते हैं, अगर मैं कभी हमारी वाचा तोड़ता हूँ तो भगवान मेरे साथ भी ऐसा ही करे। अगर मैं कभी इस वाचा को तोड़ता हूँ तो भगवान मेरे पीछे मांस काटने वाली छुरी लेकर आए। जैसा कि मैंने कहा है, मुझे विवाह समारोहों में ऐसा करना पसंद है।

मुझे दूल्हे को सफ़ेद कपड़े पहनते देखना अच्छा लगता है। मैंने अभी क्या कहा? वेदी पर आधा खून। अगर भगवान कभी इस वाचा को तोड़ते हैं तो भगवान उन्हें मौत के घाट उतार दें।

और फिर वह इसे पढ़ता है। कई राजनीतिक संधियों में यह मांग की जाती है कि वाचा को पढ़ा जाए, लिखा जाए और फिर लोगों को पढ़कर सुनाया जाए। तो, यहाँ असली बात है।

यह प्रारंभिक था। यह असली सौदा है। क्या आप ऐसा करने जा रहे हैं? हाँ, मूसा, हमने कहा था कि हम ऐसा करेंगे।

ठीक है, क्या तुम तैयार हो? तुम तैयार हो। ठीक है। मुझे आश्चर्य है कि क्या उनके गर्दन के पीछे के बाल थोड़े खड़े हो गए होंगे जब खून उनके चेहरे पर टपक रहा था।

मैंने अभी क्या सहमति दी? और मूसा ने कहा, वाचा का खून देखो। और उस रात ऊपरी कमरे में, यीशु ने कहा, यह वाचा का मेरा खून है। सुसमाचारों में से एक में नई वाचा के बारे में कहा गया है, लेकिन अन्य सुसमाचारों में केवल मूसा का हवाला दिया गया है।

जो हुआ वह यह है कि आपको पुरानी वाचा मिली, जो टूट गई है। सोने के बछड़े के क्षण से, अगर परमेश्वर न्यायी है, तो उसे इन लोगों को मारना होगा। उन्होंने खून से कसम खाई थी कि वे इस वाचा को कभी नहीं तोड़ेंगे।

यह टूट गया है। उस क्षण से, वाचा लोगों पर एक अभिशाप के रूप में खड़ी है। यीशु, यीशु एक तरफ, बलिदान बन जाता है जो पुरानी वाचा को संतुष्ट करता है।

और उसी समय, वह बलि का पशु बन जाता है जिसके अंगों से होकर आप और मैं परमेश्वर के साथ एक नई वाचा में प्रवेश करते हैं। वह पुरानी वाचा को पूरा करता है और उसी क्षण, नई वाचा को पुष्ट करता है। वाचा के लहू को देखो।

हमारे खिलाफ़ बोले गए न्यायपूर्ण न्याय को संतुष्ट करने के लिए प्रायश्चित। तो, इस क्षण में, वे इस नई वाचा या इस वाचा में प्रवेश कर रहे हैं। अब, आपको जाने से पहले एक और बात।

क्या वे झूठ बोल रहे थे जब उन्होंने कहा कि हम इस वाचा को निभाएंगे? क्या उन्होंने अपनी उंगलियाँ और पैर की उंगलियाँ क्रॉस की हुई थीं? वे गंभीर थे। वे गंभीर थे। उन्हें इस वाचा को निभाने की उम्मीद थी।

और आप जानते हैं, क्यों नहीं? यहाँ कुछ भी अजीब नहीं है। भगवान यह नहीं कहते कि अगर तुम मेरे साथ वाचा में बंधने जा रहे हो, तो तुम्हें 50 फीट सीधे ऊपर कूदना होगा और पाँच मिनट तक वहाँ रहना होगा। यहाँ कुछ भी क्रूर नहीं है।

अगर तुम मेरे साथ वाचा में बंधने जा रहे हो, तो तुम्हें अपने बच्चों को खाना पड़ेगा। यहाँ कुछ भी विनाशकारी नहीं है। अगर तुम मेरे साथ वाचा में बंधने जा रहे हो, तो तुम्हें दिन में तीन बार मिट्टी खानी पड़ेगी।

नहीं, ये सब ऐसी चीजें हैं, जिनमें से कुछ से वे परिचित थे। और जो कुछ भी वे परिचित नहीं थे, वह, खैर, ज़ाहिर है। सभी तरह से समझ में आता है।

हम ऐसा क्यों नहीं करेंगे? और मैं जो समानांतर सोच रहा हूँ वह यह है। कोई व्यक्ति मसीह को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार करने के लिए वेदी पर आता है। और अतीत की पुरानी भाषा में, वे प्रार्थना करते हैं।

और वे इस भरोसे के साथ उठते हैं कि भगवान ने उन्हें बचा लिया है। उनकी आँखें चमक रही हैं। और मैं उनसे पूछता हूँ, क्या तुम यीशु की सेवा करने जा रहे हो? और वे कहते हैं, हाँ, ज़रूर।

मैं क्यों नहीं करूँगा? वह मेरा उद्धारकर्ता है। मैं उनसे यह नहीं कहूँगा कि, तुम्हें बहुत कम पता है। लेकिन वे नहीं जानते।

वे नहीं जानते कि यहाँ एक पत्थर है जिस पर लिखा है, ओह, मुझे भगवान का आशीर्वाद चाहिए। मैं चाहता हूँ कि मेरे पापों की क्षमा हो, और मैं स्वर्ग जाना चाहता हूँ। लेकिन मैं अपना रास्ता भी चाहता हूँ।

वे यह नहीं जानते। और यही बात इन लोगों के साथ भी थी। वे नहीं जानते थे।

और यही वाचा का तीसरा उद्देश्य है। और इसके साथ, मैं तुम्हें जाने दूँगा। वाचा का पहला उद्देश्य परमेश्वर के चरित्र को सिखाना है।

और वे करके सीखते हैं, जैसा कि मैंने पहले भी कई बार कहा है। परमेश्वर कैसा है? परमेश्वर दूसरे लोगों की परवाह करता है। वह हमें वह चरित्र सिखाता है जो हमारे अंदर रहने के लिए ज़रूरी है।

लेकिन इसका एक तीसरा उद्देश्य भी है। यह सिखाना कि मानव आत्मा में कुछ बहुत बड़ी गड़बड़ी है। और अब, मानव हृदय और आत्मा में।

जैसा कि हम पहले भी चर्चा कर चुके हैं, पुराने नियम में हृदय स्नेह का केंद्र नहीं है। यह हर चीज़ का केंद्र है। यह व्यक्तित्व का मूल है।

और बाइबल कहती है कि यह हमेशा ही बुरा ही होता है। उत्पत्ति 6-5. जब वे परमेश्वर का जीवन जीने का प्रयास करते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि कुछ गड़बड़ है।

हम परमेश्वर का जीवन नहीं जीना चाहते। हम परमेश्वर का आशीर्वाद चाहते हैं। लेकिन हम उसका जीवन नहीं जीना चाहते।

भगवान कहते हैं कि मैं आशा करता था कि तुम इसे देर-सबेर समझ लोगे, क्योंकि मेरे पास इसका समाधान है।

रास्ते में। ठीक है। धन्यवाद।

अगले सप्ताह के लिए अध्ययन गाइड उपलब्ध है। बेन का धन्यवाद। और हम आगे बढ़ते रहेंगे।

मुझे आपसे पूछना चाहिए। मैंने सोमवार को मेमोरियल डे पर एक मीटिंग तय की है। मेरे साथी ने मुझे सुझाव दिया है कि शायद आप ऐसा न करना चाहें।

मैं आपसे इस बारे में सोचने और इस पर बात करने के लिए कहता हूँ। और हम अगले सप्ताह निर्णय लेंगे कि हम इस पर आगे बढ़ेंगे या नहीं।

यह डॉ. जॉन ओसवाल्ट द्वारा निर्गमन की पुस्तक पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 12, निर्गमन 23-24 है।